कुछ नई और पुरानी हिन्दी फ़िल्मों के नाम

कभी अंधेरा, कभी उजाला	कल, आज और कल	मैं नशे में हूं
तेरे घर के सामने	बचना ए हसीनो	कभी अलविदा न कहना
डरना मना है	हमारा दिल आपके पास है	हम आपके दिल में रहते हैं
हम किसी से कम नहीं	हम तुमपर मरते हैं	कोई मेरे दिल में है
यह क्या हो रहा है ?	तुमसे अच्छा कौन है ?	प्यार दीवाना होता है
मेरी आवाज़ सुनो	मुझे मेरी बीवी से बचाओ	फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी
मैं माधुरी दीक्षित बनना चाहती हूं	पगला कहीं का	फिर कब मिलोगी ?
हमारी याद आएगी	फिर सुबह होगी	यह रात फिर न आएगी
अतिथी तुम कब जाओगे ?	हसीना मान जाएगी	हर दिल जो प्यार करेगा
लव के लिए कुछ भी करेगा	मुझसे दोस्ती करोगे ?	तुमको न भूल पाएंगे
यह रात फिर न आएगी	मुझसे शादी करोगी ?	बहारें फिर भी आएंगी
याद रखेगी दुनिया	दिलवाले दुलहनिया ले जाएंगे	फिर वही दिल लाया हूं

Phrases clichés à la Bollywood ☺

सुनो, मैं तुम्हारे बच्चे की मां बनने वाली हूं	क्या यह तुम्हारा आखिरी फ़ैसला है ?
मैं तुम्हारे बिना नहीं जी सकता	इस घर के दरवाज़े तुम्हारे लिए हमेशा के लिए बंद हैं
छोड़ दो, मुझे भगवान के लिए छोड़ दो !	अब सब कुछ ऊपर वाले के हाथ में है
यह शादी नहीं हो सकती !	लो, मुंह मीठा करो
अरे, इसे तो तेज़ बुखार है !	मां तुम कितनी अच्छी हो
भागने की कोशिश मत करना	सेठ जी मैं इतना पैसा कहां से लाऊंगा

तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा (सुभाष चन्द्र बोस)